पट खोल सांवरा | by Devank Shukla

टाबरिया सु सांवरा लियो क्यों मोह हटाए
थारो ही म्हाने आसरो म्हाने तू ही बचाये
म्हाने तू ही बचाये .....

आंख्या का पट खोल सांवरा क्यों तरसावे है
भगत दुखारी रे थारी बाँट निहारे
आंख्या का पट खोल सांवरा.....

गम का या बदल म्हारे सिर मँडरावे है
विपदा अनोखी म्हाने पल पल डरावे है
धीरज यो छूटचो रे थारा भगत पुकारे
आंख्या का पट खोल सांवरा.....

सूनी पड़ी है बाबा थारी फुलवारी रे
टाबर खेले ना गूंजे हंसी किलकारी रे
छायो अंधेरो रे दिन रात गुज़ारे
आंख्या का पट खोल सांवरा.....

कौशिक की गलती श्याम मन में ना ल्यावो जी
बन के दयालु देवा दया दिखलाओ जी
विपदा ने टालो जी संकट ने टालो जी
लीले चढ़ आओ जी हारे के सहारे
आंख्या का पट खोल सांवरा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%9f-%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%b2-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-devank-shukla/